एक रात का सम्राट
चित्रांकन - विजय कदम (त्रिशूल कॉमिको आर्ट)

प्लूटो ग्रह के सम्राट करूपा ने अपने पूरे ब्रह्माण्ड का सम्राट बनने के सपने को पूरा करने के लिये ब्रह्माण्ड के उन बहादुर, बुद्धि मान और खतरनाक इंसानों को एक मुकाबले का आयोजन कर अपने ग्रह में बुलवाया, जो उसके मार्ग का कांटा बन सकते थे।

इस मुकाबले में उन्होंने पृथ्वी के राम-रहीम को भी शामिल होने का निमत्रंण दिया था।

उसका निमंत्रण स्वीकार कर राम-रहीम प्रोफेसर प्रभाकर से मिले और उनका एक विशेष यान लेकर प्लूटो ग्रह की ओर रवाना हो गये।
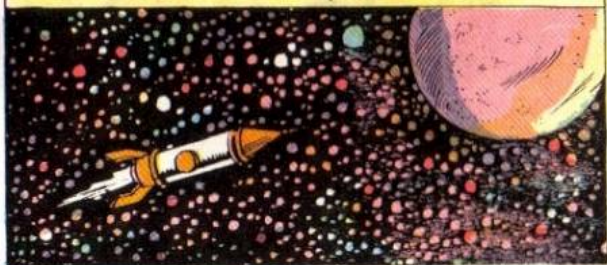
प्लूटो ग्रह पहुंचने पर प्लूटो ग्रह के महामंत्री ने उनका परिचय उन लोगों से कराया, जो अन्य ग्रहों से मुकाबले में हिस्सा लेने वहां आये हुए थे।
यह हैं डॉक्टर बसाको।

और ये हैं मादाम रूसी।

ये हैं पृथ्वी के राम-रहीम!
हुंह!

दोस्तो! जो भी इस मुकाबले में विजयी होगा, उसे इस ग्रह का सम्राट घोषित कर दिया जायेगा।
हुर्रे!

अब ग्रुप के तहत अपने-अपने प्रतिद्वन्द्वियों से मुकाबला आरम्भ कीजिए।

और उन लोगों में एक भयानक मुकाबला आरम्भ हो गया।
उफ!

प्यारे दोस्तो यहां तक की कथा आप मनोज कॉमिक्स के गत अंक 'जल उठा आकाश' में पढ़ चुके हैं।

आह!
अब आगे पढ़ें।

उसके बाद तो रहीम ने उसे संभलने का मौका ही नहीं दिया।
ढिशुम
आ...ह!

धड़ाक
उफ!

मारमारकर रहीम ने उसे अधमरा कर दिया, फिर उसके शरीर को उठाकर फिरकी की तरह घुमाने लगा।
म... मुझे मत मारो रहीम! मैं तुमसे हार मानता हूं।
हा...हा...हा!

यह मौत का मुकाबला है फार्गो! इसमें हार का मतलब सिर्फ मौत होता है।
आई... ई...ई...!

फार्गो का सिर एक पत्थर से जाकर टकराया।
धड़ाक
आह...!
इसी के साथ उसका अंत हो गया।

तभी वायुमण्डल में महामंत्री मारकोस की आवाज उभरी।
पहली जीत मुबारक हो रहीम! अब तुम्हारा मुकाबला ब्रह्माण्ड की नागिन रूसी से है। वह भी अपने प्रतिद्वन्द्वी को खत्म कर चुकी है।
यानी एक पापी और खत्म हुआ।

कहां है वह?

ही-ही-ही! मैं यहां हूं।

रहीम फुर्ती से पलटा।
बहुत सुन्दर है तू! तुझे मारकर बड़ा दुख होगा मुझे।
कौन किसे मारेगा, यह तो समय बताएगा छोकरे! चल, जरा मेरा वार सहने के लिए तैयार हो जा।

वाह! कितना दिलचस्प मुकाबला है। एक तरफ पृथ्वी का छोरा है तो दूसरी तरफ अन्तरिक्ष की नागिन है। देखना है, जीत किसकी होती है।
ढिशुम
उफ!

जीत मेरी होगी। मैं ही प्लूटो ग्रह की राजगद्दी पर बैठूंगी।

जागते में सपना मत देख रूसी!
सपने को हकीकत में बदलना मुझे अच्छी तरह आता है बच्चे...

...ले संभाल मेरा वार।
ओह!

अपनी ओर आते हुए लेसर खंजर पर रहीम ने सुपर लेसर किरणें छोड़ीं...
खड़... खटाक
...खंजर मोम की तरह पिघल गया।

ओह! इसने मेरा लेसर खंजर नष्ट कर दिया। अब मुझे अल्ट्रासोनिक पिस्टल निकालनी पड़ेगी।
क्या सोच रही हो रूसी? बताओ, कैसी मौत मरना पसंद करोगी?

मरना तो तुम्हें पड़ेगा छोकरे! ले बच।
शूं..शूं..शूं...

उफ!

अरे! यदि मैंने जल्दी नहीं की तो वह रहीम को मौत के घाट उतार देगी।
अब देखती हूं, यह कैसे बचता है?

हा-हा-हा! यह किरणें तुझे जलाकर राख कर देंगी।
शूं..शूं..शूं..

लेकिन इससे पहले कि किरणें रहीम तक पहुंच पातीं, राम के पिस्टल से निकलने वाली किरणों ने उन्हें नष्ट कर दिया।
क ड़ा क्

ओह! इसे तो मैं भूल ही गई थी।
मेरे रहते तुम रहीम का बाल भी बांका नहीं कर पाओगी नागिन!

तभी रूसी के साथी मैदान में आ गए थे।
ध ड़ाक
आह...!
उफ!

उसने फुर्ती से एक गन उठा ली और—
कबाब में हड्डी बन जाने वाले लोग मुझे पसन्द नहीं हैं!
आह!
मर गया!
शूं..शूं..शूं..

उधर—
अपने साथी को तो तूने बचा लिया, पर तू कैसे बचेगा?
इस तरह!
शूं..शूं..शूं..
शूं..शूं..शूं..
क ड़ा क्

अब तू मेरा निशाना देख।
आह!
शूं..शूं..शूं

पिस्टल नहीं है तो क्या हुआ, तेरे लिए तो मेरे हाथ पैर ही काफी हैं।
ओह! बेचारी!

तू बहुत बहादुर औरत है। तेरी मौत पर मुझे हमेशा अफसोस रहेगा।
आ... ई!
शूं..शूं..शूं...

रूसी का शरीर मोम की तरह पिघलने लगा।
आ...ई...ई...ई! य...यह तुमने क्या कर दिया। मेरा शरीर क्यों पिघल रहा है।

हा_हा_हा! मैंने तुम्हारे शरीर को मोमबत्ती की तरह जला दिया है। मैं देखना चाहता हूं कि जब किसी सुन्दर स्त्री का शरीर मोम की तरह पिघलता है तो उसमें से कैसी सुगन्ध निकलती है।
म...मुझे इस तरह मत मारो राम! मुझे बचालो मैं तुमसे हार मानती हूं।

हार तो तुम चुकी हो रूसी! अब तो सिर्फ तुम्हारा मरना बाकी है।
आ...ह...!

कुछ देर बाद रूसी के शरीर का सारा मांस पिघल गया और कंकाल बाकी रह गया।
महामंत्री मारकोस! इस ढांचे को सम्राट करूपा के शो-रूम में सजा दीजिएगा। बहुत अच्छा लगेगा।
तुम्हारी यह इच्छा पूरी कर दी जाएगी।

उधर दो शक्तिशाली लड़ाके डॉ. बसाको और स्ट्राकर अपने-अपने प्रतिद्वन्द्वियों को मार-मारकर अपना पहला राउण्ड जीत चुके थे। अब उन दोनों के बीच मुकाबला था।
तो अब तुमसे है मेरा मुकाबला?
हां, और यह मुकाबला मैं ही जीतूंगा।
कड़...कड़...कड़

मुकाबला मेरे और तुम्हारे बीच है, फिर तुम्हारे इन चमचों का क्या काम...

...पहले मैं इन्हें ही नष्ट किये देता हूं।
शट
शट

अगले ही पल—
धड़ाम
धड़ाम

मेरे दोनों रोबोट नष्ट करके तूने अच्छा नहीं किया डॉक्टर! इसका बदला तुझे अपनी जान देकर चुकाना पड़ेगा।
शूं...शूं...शूं...

हा—हा—हा! मैं एक वैज्ञानिक हूं स्ट्राकर! तुम्हारी इन साधारण किरणों का मुझ पर कोई असर नहीं होगा। तुम्हारे पास कोई खास हथियार हो तो मेरे ऊपर इस्तेमाल करो, वरना हार मान कर आत्महत्या कर लो।
ओह!

तुम्हें अपनी शक्ति पर बड़ा नाज है ना डॉक्टर, लेकिन मेरा यह कोबाल्ट राकेट तुम्हारे घमण्ड को चूर-चूर कर देगा। लो देखो।
शट

तुम्हारा यह वार है तो जोरदार, पर मेरे पास इसका जवाब है।

यह हैं एण्टी कोबाल्ट किरणें।
धड़ाम

स्ट्राकर गुस्से में पिस्टल का ट्रेगर दबाता चला गया।
देखता हूं, तुम कितने राकेट नष्ट करोगे बसाको! एक न एक राकेट तो तुमसे टकरायेगा ही।
शूं...शूं...शूं...!

यह बात है, तो देखो मेरी निशानेबाजी! तुम्हारा एक भी राकेट मुझ तक नहीं पहुंच पाएगा।
धड़ाम

धड़ाम
धड़ाम
धड़ाम

ओह! इसने तो मेरे सारे राकेट नष्ट कर दिये। अब मैं क्या करूं?

बस स्ट्राकर! तुम्हारा खेल खत्म हुआ। अब मैं वार करूंगा और तुम मरने के लिए तैयार हो जाओ। देखना, मैं तुम्हें कितनी शानदार मौत दूंगा।
न...नहीं..!

भागूं!

इससे पहले कि स्ट्राकर बचकर भाग पाता, बसाको ने उसपर हमला कर दिया।
जरा देखूं, तुम्हारा शरीर कितना मजबूत है।

धड़ाम
शट
आई..ई...ई!

तुम सचमुच बहुत बहादुर हो डॉ० बसाको! प्लूटो ग्रह की राजगद्दी तुमसे ज्यादा दूर नहीं है। बस राम रहीम बचे हैं। उन्हें मारकर तुम यहां के सम्राट बन सकते हो।
कहां है वह दोनों?
पीछे घूमकर देखो।
डॉ० बसाको फुर्ती से पीछे घूमा।
घबराओ मत बसाको! हम पीछे से वार नहीं करते।
बहुत खूब, फार्गो और रूसी को मारकर तुम दोनों ने साबित कर दिया है कि पृथ्वी के लोग भी बहादुर होते हैं...
...लेकिन तुम्हारी बहादुरी की असली परख अब है।
शट
शट
धड़ाम
धड़ाम
शूं...शूं...शूं...
शूं..शूं...शूं...
बहुत खूब, मैं तो समझा था कि मैं अकेला ही सबको हरा लूंगा, पर अब लगता है कि मुझे भी अपने साथियों को बुलाना पड़ेगा।
तो जल्दी से बुला लो। हम चाहते हैं कि तुम्हारे साथ-साथ उनका भी अन्त हो जाये।

तो ठहरो।
हैलो! रोबो-सोबो! मैदान में आ जाओ।

कुछ ही पलों बाद मैदान में दो रोबोट प्रकट हुए।
अरे बापरे! इतने विशाल रोबोट! लगता है, किसी लोहे के पहाड़ को काटकर बनाये गये हैं।
???

रोबो-सोबो! खत्म कर दो इन दोनों को।
जो आज्ञा डॉक्टर!

अगले ही पल—
हम इतनी आसानी से मरने वाले नहीं हैं बसाको।
ऐसे कमाल तो हम रोज दिखाया करते हैं।
शूं...शूं...शूं...

इससे पहले कि रोबो-सोबो दुबारा हमला करते, राम की गन से थ्री एक्स रॉकेट निकला
खट

और सोबो की खोपड़ी से जा टकराया।
वो मारा! एक तो गया काम से।
धड़ाम

मुकाबला बराबरी का नहीं था बसाको! तुम्हारी संख्या तीन थी, जबकि हम दो हैं, इसलिए मैंने संख्या बराबर कर दी।
हां, अब आयेगा मुकाबला करने का असली मजा।
पृथ्वी के तुच्छ कीड़ो! तुमने तो संख्या बराबर की है, लेकिन मैं तुम्हारी संख्या शून्य कर दूंगा।
रोबो राम-रहीम की ओर बढ़ने लगा।
शूं...शूं...शूं...
टक...टक
हा-हा-हा! मेरे फौलादी शरीर पर तुम्हारा कोई हथियार असर नहीं करेगा मच्छरो।
ओह!
तुम मच्छरों की काट से अनजान हो रोबो!
पृथ्वी के मच्छरों के डंक बहुत खतरनाक होते हैं।
शट
शट
एक बार पकड़ में आ जाओ, फिर देखो किस तरह डंक तोड़ता हूं तुम दोनों के।
हमें पकड़ना इतना आसान नहीं है।
शूं...शूं...शूं...!
शूं...शूं...शूं...

गली बार रोबो सिर्फ राम पर झपटा। उसके एक
थ से तो राम बच गया, पर दूसरे से न बच सका।

शायं

हा – हा – हा! अब देख, मैं तुझे कैसे मसलता हूं?

रहीम! मुझे बचाओ, वरना यह मेरी हड्डियां तोड़ डालेगा।
हा-हा-हा! अब तुझे कोई नहीं बचा सकता छोकरे। मैं तुझसे सोबो का बदला लूंगा।

राम की जान खतरे में है। क्या करूं? इस कम्बख्त पर कोई हथियार भी तो असर नहीं कर रहा है।

महामंत्री मारकोस! कहां हो तुम? देखो, पृथ्वी के शेर मेरे रोबो के सामने किस तरह बेबस नजर आ रहे हैं. अगर मैं चाहूं तो दोनों को खत्म कर सकता हूं, पर नहीं, इनकी मौत रोबो के हाथों ही होगी।

हा-हा-हा! कैसा छटपटा रहा है।
आह!
रोबो इसकी हड्डियों का सुरमा बना डालो।

अगर किसी तरह इसका जीरो प्वाइंट मिल जाए तो इसे आसानी से नष्ट किया जा सकता है।

जीरो प्वाइंट, रोबोट का सीक्रेट केंद्र।

सर्किट टूटते ही रोबो के शरीर में स्पार्किंग होने लगी थी।
उफ ! अगर मैं इसकी पकड़ में जरा देर और रहता तो मेरी हड्डियां चूर-चूर हो जातीं।

फिर रोबो का शरीर धीरे-धीरे लाल सुर्ख हो उठा।
ओ माई गॉड! जिस रोबो को मैंने अजेय समझा था, वह नष्ट हो रहा है।

तभी—
वो मारा!
थैंक्स गॉड!
धड़ाम्

रोबो के नष्ट होते ही डॉ० बसाको गुस्से से पागल हो उठा।
तुम दोनों ने मेरी बरसों की मेहनत पर पानी फेर दिया। अब तुम्हें मेरे हाथों मरने से कोई भी ताकत नहीं बचा सकती।
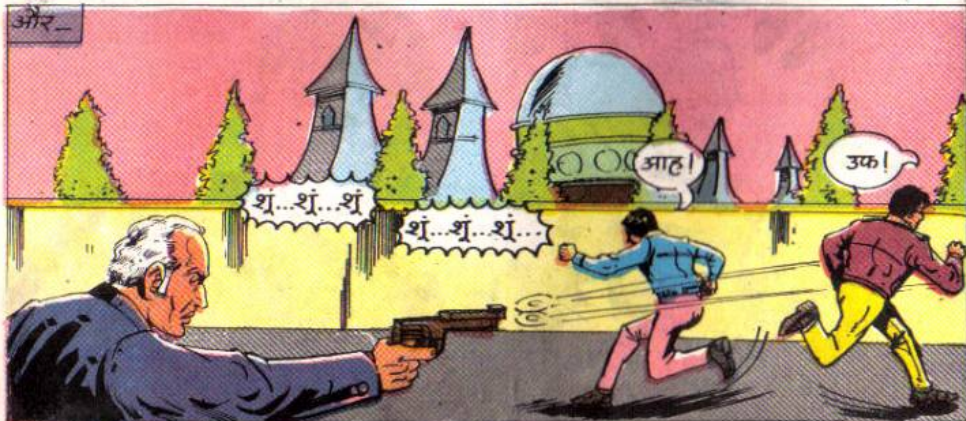
और—
शूं...शूं...शूं
शूं...शूं...शूं...
आह!
उफ!

उसके बाद राम-रहीम और डॉ० बसाको के बीच घमासान युद्ध छिड़ गया।

तुमदायीं ओरसेहमलाकरो, मैंबायींओरसेकरताहूं। इसतरहउसकाध्यानदो तरफ बंटजाएगा,तब इसेमारनाआसान होगा।
ठीक है।

रामनेबायीं ओर से हमला किया,जिसेबसाकोनेबड़ी फुर्तीसेरोक लिया...
शूं...शूं...शूं...
शट
धड़ाम

किन दायीं ओर सेहोनेवाले ीम के हमलेसेवह बच न सका।
आह...!
शूं...शूं...शूं...

पलक झपकतेही डॉ० बसाको जली हुई लाश में परिवर्तित होगया।

धर कन्ट्रोल रूममें—
हा—हा—हा! सात शक्तिशाली बेवकूफ मरगये। अब सिर्फ यह दो बचे हैं! इन्हें मैं चुटकियों में मसल दूंगा। फिर मुझे समस्त ब्रह्माण्ड का सम्राट बनने से कोई नहीं रोक पाएगा।

अगले ही पल—
पृथ्वी के बहादुरो! मुबारक हो। अपने सभी प्रतिद्वन्द्वियों को मारकर तुमने साबित कर दिया है कि इस ब्रह्माण्ड में तुम जैसा बहादुर व बुद्धिमान कोई दूसरा नहीं है। तुम दोनों में सम्राट बनने के सभी गुण मौजूद हैं। मैं तुम दोनों को प्लूटो ग्रह का नया सम्राट घोषित करता हूं। मेरी तरफ से बधाई स्वीकार करो।
शुक्रिया!
धन्यवाद!

उधर राम रहीम के सिरों पर एक विमान प्रकट हुआ।
वाह!
ऐसा शानदार स्वागत तो हमारा कभी नहीं हुआ।

कुछ देर बाद—
उफ! मेरा सिर क्यों चकरा रहा है?
मुझपर भी बेहोशी छा रही है।

सांस रोक लो। मुझे लगता है, फूलों में बेहोश करने वाली गंध थी।
जरूर यही बात होगी।

दोनों ने सांस रोक ली, लेकिन बेहोशी की काफी गंध उनके शरीर में पहुंच चुकी थी, इसलिए वह अपने आपको बेहोश होने से नहीं रोक सके।
कम्बख्त, बड़ी मुश्किल से काबू में आये।

कन्ट्रोल रूम में —
महामंत्री मारकोस! इन दोनों को लेकर तीन नम्बर इमारत में पहुंचिये, मैं वहीं आ रहा हूं।
ओ०के० सम्राट।

थोड़ी देर बाद महामंत्री मारकोस राम-रहीम को लेकर तीन नम्बर इमारत में पहुंच गये।
इन्हें होश में लाया जाए।

दो सैनिक आगे बढ़कर राम-रहीम के चेहरों पर होश में लाने वाली गैस का स्प्रे करने लगे।
शं..शं..शं..
शं..शं..शं..

शीघ्र ही —
ऊं...ऊं...!
आह...!
हूं! होश आ रहा है।

जैसे ही उन्हें पूरी तरह होश आया, उन पर दो शीशे के जार...

...आ गिरे।
कहो प्लूटो ग्रह के नये सम्राटो! क्या हाल हैं?
ओह! तो हमारा शक सही था। तुम बीमार नहीं थे, बीमार होने का नाटक कर रहे थे।

हां। तुमलोगों की धोखा देने का यही एक रास्ता था।
पर तुम्हें ऐसा नाटक करने की क्या जरूरत थी?

जरूरत थी। मैं समस्त ब्रह्माण्ड का सम्राट बनना चाहता था, पर तुम आठ-नौ लोग मेरी राह में रुकावट बन सकते थे, इसलिए मैंने बीमारी का नाटक करके मौत के मुकाबले का आयोजन किया और तुम लोगों को आपस में लड़ा दिया। नतीजा सामने है। अब सिर्फ तुम दोनों जिंदा बचे हो, अगर मैं चाहूं तो तुम दोनों को अभी खत्म कर सकता हूं।

फिर देर किस बात की है, कर दो खत्म।
फिर बन जाओ समस्त ब्रह्माण्ड के सम्राट।
नहीं-नहीं, ऐसे नहीं...

...मैं तुमदोनों को जिंदा रहने का एक मौका देना चाहता हूं।

यह तो बड़ी खुशी की बात है। हमें करना क्या होगा?
हमें जिंदा रखने के पीछे तुम्हारा कोई न कोई मतलब तो होगा ही।

हां, तुम दोनों मेरे साथ मिल जाओ और ब्रह्माण्ड जीतने में मेरी सहायता करो। मैं वादा करता हूं, ब्रह्माण्ड का सम्राट बनने के बाद पृथ्वी की सारी जिम्मेदारी तुम दोनों को सौंप दूंगा।

फिर तो तुम नि:संदेह ग्रेट हो, लेकिन...।

वाह! क्या बात है, लेकिन...।

बेटा! ब्रह्माण्ड का सम्राट बनना तो दूर, हम तुझे प्लूटो ग्रह का सम्राट भी नहीं रहने देंगे।

क्या सोचने लगे?

लेकिन प्रस्ताव तो आपका बहुत अच्छा है सम्राट करूपा! फिर भी हमें सोचने का कुछ समय दीजिए।

ठीक है, सुबह तक सोच लो। पर एक बात याद रखना, इंकार का मतलब मौत होगा।

आप चिंता न करें सम्राट! हमारा फैसला आपके ही हक में होगा।

सुबह होने से पहले ही हम सारा खेल पलट देंगे।

गुड! इसी में तुम दोनों की भलाई है।

महामंत्री मारकोस! इनका खास ख्याल रखियेगा।

आप चिंता न करें सम्राट! पहले तो यह जार से ही आजाद नहीं हो पायेंगे और अगर किसी तरह हो भी गये तो बाहर इनके स्वागत के लिए काफी सैनिक मौजूद हैं।

तो चलिए, इन्हें आराम से सोचने दीजिए।

जैसे ही वह लोग गये, रहीम जार तोड़ने की कोशिश करने लगा।

धड़ाक

धड़ाक

बेकार है रहीम! अगर जार इतनी आसानी से टूटने वाला होता तो हमें कभी इसमें कैद न किया जाता।

तो क्या हम इसी में पड़े रहेंगे?

घबराओ मत, इस जार को हम रात में तोड़ेंगे।

वह कैसे? हमारे सारे हथियार तो पहले ही उन लोगों ने अपने कब्जे में कर लिए हैं।

शायद तुम भूल रहे हो कि जो स्पेस सूट हम पहने हुए हैं, वह प्रो० अंकल का बनाया हुआ है और इसकी बेल्ट बड़ी करामाती है।

ओह! मैं तो सचमुच भूल गया था।
याद आ गया है तो खामोश रहो और रात होने का इन्तजार करो।

ल में राम ने अपनी बेल्ट में लगा क बटन पुश किया।
पिट
शूं...शूं...शूं...

लेकिन जार पर उन किरणों का कोई असर न हुआ। राम ने दूसरा बटन दबाया।
शूं...शूं...शूं...
लेकिन उस किरण का भी जार पर कोई प्रभाव नहीं हुआ।

लगता है, जार किरण प्रूफ है। यह टूटने वाला नहीं है।

घबराओ मत, अभी चक्र है हमारे पास।
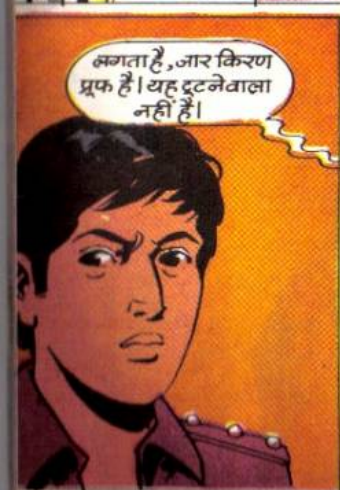
रामने एक और बटन पुश किया। बेल्टके बक्कलसे एक चक्र निकला...

...और जारको काटने की कोशिश करने लगा।
किर्र...ऽ...ऽ...!
अगर चक्र भी जारको न काट पाया तो क्या होगा ?

वही हुआ, चक्र भी जारको न काट सका।
अब आजाद होने का ख्याल छोड़ दो रहीम! इसजार को तोड़ना असम्भव है।
ऐसी की तैसी असम्भव की। मेरे दिमाग में एक आइडिया आया है।
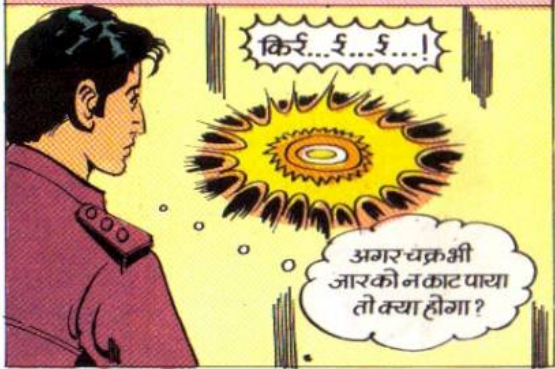
कैसा आइडिया ?
थ्योरी सुननेसे अच्छा है भइया, प्रैक्टिकल देखो।

कहकर रहीम ने जार पर पहले हाट किरणें छोड़ीं...
थूं..थूं..
...जार अंगारे की तरह लाल होने लगा...
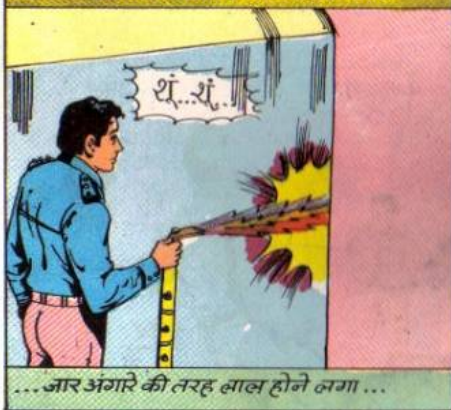
...उसके बाद उसने जार पर कोल्ड किरणें छोड़ीं।
चट...चट...
चट
सर्र...सर्र...सर्र...

अगले ही पल जार का शीशा चटककर टूट गया।
वो मारा
चटाक

उसके बाद राम भी उसी तरह जार तोड़कर आजाद हो गया।
अब क्या करना चाहिए?
पहले दरवाजा तोड़कर बाहर मौजूद सैनिकों का सफाया करते हैं, फिर आगे की सोचेंगे।

राम ने दरवाजे पर हाट किरणें छोड़ी...
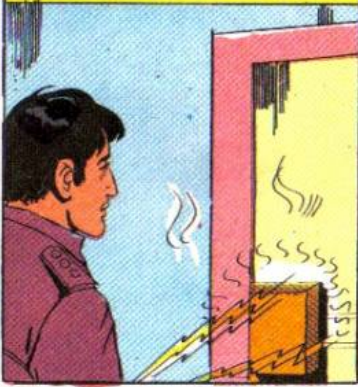
...दरवाजा मोम की तरह पिघल गया। दोनों बाहर आ गये।

तभी नींद में ऊंघते हुए सैनिकों की आंखें खुल गईं।
अरे! यह दोनों बाहर कैसे आ गये?
पकड़ो दोनों को।

शूं...शूं...शूं...
शूं...शूं...शूं...
आह!
उफ!
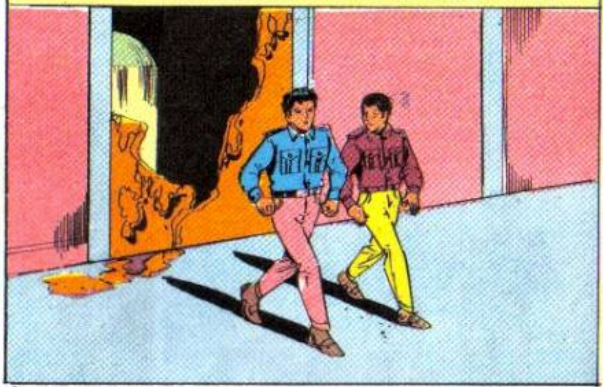
उनकी चीखें सुनकर दूसरे सैनिक वहां आ गये, पर राम-रहीम ने उन्हें भी संभलने का मौका न दिया।
शूं...शूं...
शूं...शूं...
आह!
ओह!
उफ!

सारे सैनिकों का सफाया करने के बाद दोनों ने एक-एक गन उठाई और इमारत की छत पर पहुंच गये।
करूपा ने ब्रह्माण्ड का सम्राट बनने के लिए जबरदस्त तैयारियां की होंगी। तुम्हें उसकी तैयरियों पर पानी फेरना है और मैं जाकर उसके चेहरे का भूगोल बिगाड़ता हूं।
ठीक है।

दोनों ने बेल्ट में लगा एक बटन दबाकर सूट में फिट जेट इंजन चालू किया और अलग-अलग दिशाओं में उड़ चले।

कुछ दूर जाने के बाद रहीम को एक इमारत नजर आई।
कोई खास इमारत लगती है। तभी इतने सैनिक पहरा दे रहे हैं। अभी कहर बरसाता हूं इनपर।

अगले ही पल_
शूं...शूं...शूं...
धड़ाम
आह!
हाय!
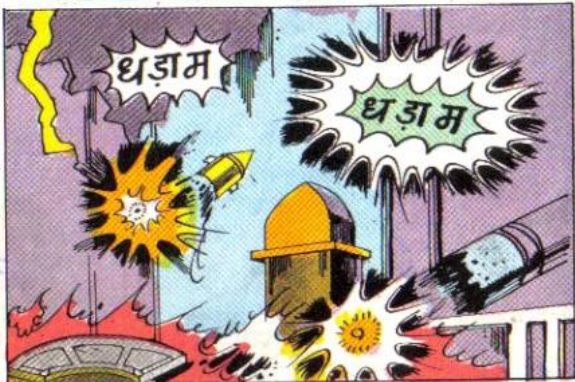
उसके बाद रहीम ने नीचे लगी लाखों मील दूर तक मार करने वाली परमाणु मिसाइलों को निशाना बनाया।

धड़ाम

धड़ाम

धड़ाम

धड़ाम

उन धमाकों को सुनकर महल में चैन की नींद सो रहे करूपा की आंख खुल गई। उसने फौरन बाहर खड़े सैनिक को बुलाया।

यह कैसे धमाके हो रहे हैं?

महामंत्री ने अभी-अभी खबर भेजी है कि राम-रहीम कैद से आजाद हो गये हैं और यह तबाही वही मचा रहे हैं।

सम्राट बाहर की ओर भागा।

मुझे फौरन राम-रहीम को रोकना चाहिए, वरना दोनों मेरी सारी तैयारियों पर पानी फेर देंगे।

देखो राम! मेरी बात मान लो! मेरे साथ मिल जाओ। हम मिलकर ब्रह्माण्ड को जीत लेंगे। तब मैं तुम्हें आधा ब्रह्माण्ड दे दूंगा।
फिलहाल तो मैं तुम्हें मारकर प्लूटो ग्रह का सम्राट बनने के मूड में हूं।

मुझे मारना इतना आसान नहीं है राम! मेरी हड्डियों में अभी बहुत ताकत है।
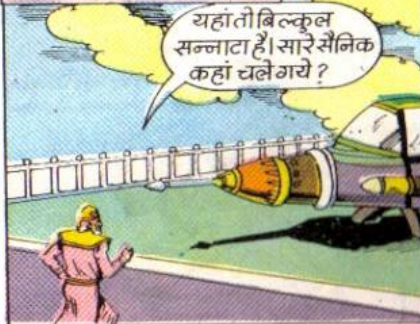
राम ने उसे दोनों हाथों पर रोककर वापस उछाल दिया।
देखता हूं तेरी बूढ़ी हड्डियां कितनी देर तक मेरी मार बर्दाश्त करती हैं?
आह!

एक बार मैं यान के अन्दर पहुंच जाऊं, फिर यह मेरा कुछ नहीं बिगाड़ पाएगा और मैं इसे च्यूंटी की तरह मसल दूंगा।

इससे पहले कि करूपा उठ पाता, राम उसके सिर पर पहुंच गया।
मैं चाहूं तो तुझे एक पल में मार सकता हूं, पर नहीं, मैं तुझे तड़पा-तड़पाकर मारूंगा।
नहीं-नहीं, तुम मुझे नहीं मार सकते।

धड़ाक
आह!
जरूर मारूंगा तुझे कुत्ते, ताकि कोई और अन्य घमण्डी इन्सान अपनी शक्ति का दुरूपयोग न करने की सीख ले सके।

उसके बाद तो राम ने ठोकरों की बौछार कर दी।
धड़ाक
आह!
धड़ाक

म..मुझे माफ कर दो।
मैं ब्रह्माण्ड का सम्राट बनने वालों को कभी माफ नहीं करता।

धड़ाक
आ... ह...!
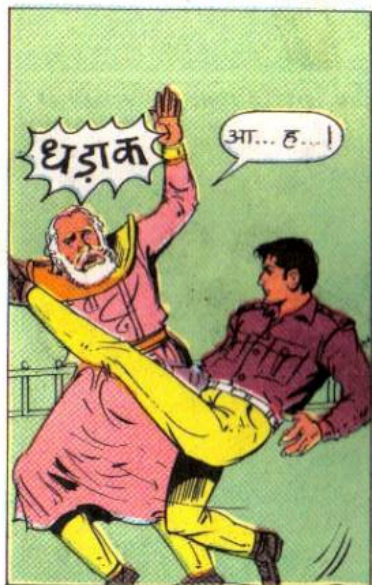
अन्तिम ठोकर करूपा के दिल पर लगी थी। अतः देखते ही देखते उसने दम तोड़ दिया।
मैं तो समझा था कि तू जमकर मुकाबला करेगा, पर तू तो बहुत जल्दी मैदान छोड़ गया। ऊंह, इसी दम पर ब्रह्माण्ड का सम्राट बनने चला था।

राम अपने सिर पर ताज रख ही रहा था कि तभी रहीम वहां पहुंच गया।
यह क्या कर रहे हो?
अरे भाई! देख नहीं रहे! एक रात का सम्राट बन रहा हूं।

दूसरे दिन राम-रहीम ने ग्रह के कुछ खास लोगों को दरबार में बुलाया, फिर उनमें से शामून नाम के एक व्यक्ति को नया सम्राट चुन लिया।
आज से तुम इस ग्रह के नये सम्राट हो श्रीमान् शामून!
नये सम्राट की जय हो!
नया सम्राट अमर रहे!

अगले दिन सुबह —
अच्छा सम्राट शामून! अब हमें इजाजत दो, अगर कभी कोई मुसीबत पड़े तो हमें याद कर लेना।
जरूर, मुसीबत में हम आपको याद नहीं करेंगे तो और किसे करेंगे।

उसके बाद राम-रहीम 'बाज' में सवार होकर पृथ्वी की ओर रवाना हो गये।

समाप्त